Arbitration, Conciliation and Alternative Disputes Resolution

LL.B. IV Sem

Dr. Yaudhvir Singh
Head of Law faculty
N.A.S. P.G College
Meerut

MANEESHA SHARMA
Law faculty
N.A.S. P.G. College
Meerut

Scanned with CamScanner

...विवाद - निश्चय प्रणाली का क्या अर्थ है? इसकी विभिन्न प्रविधियां क्या हैं? वैकल्पिक विवाद निश्चय प्रणाली के लाभ बताइये।

यह सर्वविदित है कि आधुनिक न्याय प्रणाली वादों की संख्या में लगातार वृद्धि के कारण अति भारित है जिसके कारण वादों के निपटारे में अयुक्तियुक्त देरी होती है और फलस्वरूप वाद कारी का काफी समय और धन नष्ट होता है। प्राय: यह देखा गया है की ऐसी व्यवस्था में वाकारी को न्याय की अपेक्षा अन्याय सहन करना पड़ता है साथ ही वर्तमान न्याय- व्यवस्था इतनी महंगी हो चुकी है कि आज न्यायालयों से न्याय प्राप्त करना आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गया है सामान्य तौर पर यह कहां जाता है कि आज केवल वही वादकारी वर्तमान न्याय -व्यवस्था का सहारा लेता है जिसे देर के कारण मुकदमें में लाभ होता है अन्य वादकारी या तो इस प्रक्रिया को अपनाने की बजाय अन्याय सहन करना बेहतर समझते है या न्यायालय के बाहर आपसी समझौते द्वारा अपने विवादों का निपटारा कर लेते है ऐसी अवस्था में प्रश्न यह उठता है कि एक वादकारी कहां जाये? अत: आज वादकारी अपने विवादो को इस प्रक्रिया से भिन्न किसी अन्य प्रभावी वैकल्पिक विवाद हल प्रणाली के द्वारा तय ~~प्रभावी वैकल्पिक~~ विवाद करना बेहतर मानता है बशर्ते कि ऐसी व्यवस्था कानून द्वारा मान्य हो। यह समस्या न केवल भारत के सामने है बल्कि यह संयुक्त राज्य अमेरिका और इंग्लैंड जैसे विकसित देशो के सामने भी विद्यमान है।

वैकल्पिक विवाद निश्चत प्रणाली का अर्थ - "वैकल्पिक विवाद निश्चत प्रणाली" नामक पदावली "नामक पदावली को दो अर्थों में परिभाषित किया जा सकता है -

[i] विस्तृत एवं [ii] संकीर्ण'

[i] विस्तृत अर्थ में - अपने विस्तृत अर्थ में वैकल्पिक विवाद निश्चत प्रणाली में विवाचन भी शमिल किया जा सकता है क्योंकि विवाचन मुकदमें के लिए एक विकल्प का निर्माण करता है।

[ii] संकीर्ण अर्थ में - संकीर्ण अर्थ में वैकल्पिक विवाद हल प्रणाली विवाचन और मुकदमे को अपने क्षेत्र से बाहर करती है क्योंकि मुकदमे की तरह विवाचन भी आरोपित निर्णय की कल्पना करता है। अतः इस अर्थ में वैकल्पिक विवाद निश्चत प्रणाली के अन्तर्गत केवल उन प्रक्रिया को शमिल किया जाता है। जिनमें निर्णय अन्तिम रूप से पक्षों की सहमति द्वारा होता है। विवाद निश्चयत के ढम को संकेत कराने के लिए "मैत्रीपूर्ण समझौता उचित शब्द प्रतीत होता है।

मैत्रीपूर्ण समझौते के आवश्यक तत्व - एक ऐसे मैत्रीपूर्ण समझौते के जो पक्षों के विवाद का निपटारा करता है; निम्नलिखित आवश्यकताएं होते है-

[1] पक्षों को वार्ता की मेज पर लगता।
[2] विवादित समस्याओं से परिचित कराना
[3] तथ्यों की स्थापना कराना
[4] विवाधकों को स्पष्ट करना
[5] निपटारे के विकल्प को विकसित करना
[6] अन्त में करार करना

वैकल्पिक विवाद निश्चत की प्रविधियाँ

एक वैकल्पिक विवाद हल प्रणाली की मान्य विभिन्न प्रविधियों या प्रक्रिया निम्न प्रकार है-

[1] वार्ता - विवादों को हल करने के लिए विवाद के पक्षों की आपसी वार्ता सबसे सरल एवं उत्तम ढंग है यह एक मबन्धकारी प्रक्रिया है जिसमें वाद के पक्षकार प्रत्यक्ष रूप से वार्ता में शामिल होते है इनमें किसी तीसरे पक्ष का पक्षा कोई हस्तक्षेप

होते है।

[2] लघु-परीक्षण - लघु-परीक्षण एक ऐसी बन्धनकारी प्रक्रिया है जिसमें विवाद के पक्षकार अपने-अपने मामले को अपने-अपने ऐसे निष्पादको जो निर्णय देने के लिए सक्षम होते है।

[3] विवाचन - विवाचन एक ऐसी बन्धकारी प्रक्रिया जिसके अन्तर्गत विवाद को न्याय निर्णय के लिए किसी ऐसे माध्यस्था न्यायाधिकरण को सौपा जाता है जो या तो एक मात्र या अन्य असमान संख्या वाले विवाचको से गठित होता है।

(4) तीव्र-पथ विवाचन - यह विवाचन की एक ऐसा बन्धनकारी प्रक्रिया है जिसके अन्तर्गत विवाद के पक्षकार विवाद को ऐसे माध्यस्थम् कार्यवाही को सौपने के लिए सहमत होते है जो माध्यस्थम् पंचाट को शीघ्रता से कम समय मे प्रदान करे।

वैकल्पिक विवाद निश्चत प्रणाली के लाभ

नियमित न्याय व्यवस्था के मुकाबले मे वैकल्पिक विवाद (A.D.R.) हल व्यवस्था के निम्नलिखित है—

(1) वैकल्पिक विवाद हल प्रणाली कभी भी आरम्भ की जा सकती है।

[2] कम खर्च और कम समय मे बेहतर समाधान

[3] वैकल्पिक कार्यक्रम लोचदार होते है।

[4] मुकदमों के पक्षो की स्वतन्त्रता वैकल्पिक प्रक्रिया से प्रभावित नही होती।

Scanned with CamScanner

वैकल्पिक व्यवस्था का प्रयोग वकीलों या वकीलों के बिना किया जा सकता है।
वैकल्पिक प्रक्रिया न्यायालय के कार्य-भार को करने में सहायता करती है।
वैकल्पिक प्रक्रिया पक्षों को तटस्थ विशेषज्ञों को चुनने की अनुमति देता है।

निष्कर्ष - यह एक सर्वमान्य तथ्य है कि सामाजिक शांति और एकता स्थापित करने के लिए विवादों का शीघ्र निपटारा अत्यन्त अवश्यक तत्व है। आदि युग से ब्रिटिश काल तक विवादों का निपटारा अत्यन्त आवश्यक तत्व है। आदि योग से राज्य या पचों या काजी द्वारा किया जाता था।

Scanned with CamScanner